an>

Title: Need to take steps for protection of forests in the Country

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृÂट करना चाहूँगा कि देश की सीमा पर जो सैनिक अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए शहीद हो जाते हैं, और उनकी शहदत के बाद हमारी सरकारें उनके परिवार को गैस एजेंसी या पैट्रोल पंप जैसी योजनाओं की घोÂाणा करते हैं और उनका आश्रित परिवार बहुत दिनों तक उसका इंतजार भी करता है, लेकिन समय से उनको वह योजना के रूप में चाहे गैस एजेंसी या पैट्रोल पंप नहीं मिल पाता है। मेरे ही संसदीय क्षेत्र में उदाहरण है, खैलाबाद के एक सैनिक शहीद हए थे, उनके पिता शाह आलम ने आज भी हमसे मिल कर कहा कि सन् 2005 में उनका लड़का सीमा पर शहीद हुआ था और उस समय उनको गैस एजेंसी देने की घोÂाणा की गई थी, लेकिन अब सन् 2005 से सन् 2015 होने जा रहा है, लेकिन अब तक उस परिवार को किसी प्रकार की न एजेंसी मिली है और न ही उनको पंप आवंटित हो पाया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि इस देश में अब तक कितने ऐसे शहीद परिवार हैं, जिनको गैस एजेंसी या पैट्रोल पंप देने की बात कही गयी थी, लेकिन अब तक उनको नहीं मिल पाया है, उस पर सरकार कार्यवाही करे।